

अध्याय 5

निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

सारांश किसी भी अध्ययन को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है जिसके द्वारा अध्याय को संक्षिप्त व सरल रूप में समझा जाता है। इस अध्याय में लघुशोध का सारांश एवं अध्याय 4 में दिये गए प्रदत्तों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही साथ संबंधित अध्ययन को विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के लिए सुझाव भी देने का प्रयास किया गया है।

अध्ययन के क्षेत्र में विद्यालय के प्रमुख प्राचार्य का नेतृत्व व्यवहार का आकलन किया गया, जिसमें प्राचार्य के सभी नेतृत्व व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जिसके लिए उपकरण प्रश्नावली और साक्षात्कार का उपयोग किया गया है। इस अध्याय में प्राचार्य के सभी प्रकार के नेतृत्व व्यवहार का पता लगाया गया है। जिसमें शासकीय और निजी दोनों ही माध्यमिक शामिल हैं। सभी प्राचार्यों का नेतृत्व व्यवहार समझने और जानने के लिए सबसे अधिक सहायक उत्तरदाता माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक हैं। शिक्षकों की आयु एवं कार्यानुभव का इस खोज में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। जिसके आधार पर शिक्षकों का प्राचार्य के साथ संबंध सहमति एवं असहमति दोनों ही दर्शाता है।

अध्ययन के नतीजों का यह मतलब है कि प्रत्येक विद्यालय प्रमुख के पास नेतृत्व का अपना एक अनूठा व्यवहार है।

5.2 शोध कथन :-

“भोपाल जिले के माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य के नेतृत्व व्यवहार के संदर्भ में शिक्षकों का दृष्टिकोण”।

5.3 अध्ययन के उद्देश्य-

1. माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य का नेतृत्व व्यवहार के संदर्भ में शिक्षकों के दृष्टिकोण को ज्ञात करना।
2. शासकीय विद्यालय एवं निजी विद्यालय के प्राचार्यों के नेतृत्व व्यवहार में शिक्षकों के दृष्टिकोण द्वारा अंतर ज्ञात करना।
3. शिक्षकों की आयु के अनुसार प्राचार्य के नेतृत्व व्यवहार के लिए शिक्षकों के दृष्टिकोण को अध्ययन करना।

5.4 अध्ययन का परिसीमन :-

अध्ययन भोपाल जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों का था। जहाँ माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के नेतृत्वशीलता एवं व्यवहार और साथ ही शिक्षकों का दृष्टिकोण का उनसे संबंध के बारे में अध्ययन करना था। इनमें मुख्यतः 2 शासकीय विद्यालय एवं 3 निजी विद्यालय शामिल थे।

5.5 जनसंख्या -

भोपाल जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालय में सन 2019-2020 में कार्यरत प्राचार्य एवं शिक्षक इस शोध की जनसंख्या हैं।

5.6 न्यादर्श का चयन-

न्यादर्श के चयन करने हेतु शोधकर्ता द्वारा भोपाल जिले में संचालित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों की सूची बनाई गयी जिसमें 2 शासकीय विद्यालय एवं 3 निजी विद्यालय का चयन किया गया। चयनित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 40 शिक्षकों का चयन किया गया जिसमें महिला एवं पुरुष शामिल हैं।

5.7 प्रयुक्त उपकरण -

इस रेटिंग स्केल में कुल 30 प्रश्न हैं। शिक्षकों के लिए निर्मित रेटिंग स्केल 22 प्रश्न सकारात्मक एवं 8 प्रश्न नकारात्मक दिये गए हैं। निर्धारण मापनी (रेटिंग स्केल) को अनुमति तथा निर्णय के मापन के लिए प्रयुक्त किया जाता है। इस मापनी का निर्माण किसी परिस्थिति, संस्था, वस्तु तथा व्यक्ति के संबंध में ज्ञात किया जाता है।

5.8 निष्कर्ष -

- शिक्षकों के अनुसार प्राचार्य का नियंत्रण व्यवहार सबसे अधिक अच्छा है। साथ ही विद्यार्थियों के साथ भी प्राचार्य का व्यवहार अधिक अच्छा है।
- विद्यार्थियों की तुलना में शिक्षकों के साथ नेतृत्व व्यवहार प्राचार्य का कम है।
- शासकीय विद्यालय के प्राचार्य का समुदाय के साथ नेतृत्व व्यवहार अधिक अच्छा है।
- निजी विद्यालय के प्राचार्य का अनुदेशात्मक व्यवहार अधिक अच्छा है।
- शासकीय विद्यालय के प्राचार्य की तुलना में निजी निजी विद्यालय के प्राचार्य का नियंत्रण व्यवहार अधिक अच्छा है।
- निजी विद्यालय के प्राचार्य का शिक्षकों के नेतृत्व व्यवहार अधिक अच्छा है।

- निजी विद्यालय के प्राचार्य का विद्यार्थियों के साथ व्यवहार अधिक अच्छा है।
- निजी विद्यालय के प्राचार्य का शैक्षणिक उपलब्धि में अधिक योगदान है।
- 40 वर्ष से कम आयु वाले शिक्षकों ने समुदाय के साथ नेतृत्व व्यवहार में सहमति बताई है।

परंतु 40 वर्ष से अधिक आयु वाले शिक्षकों ने अनुदेशात्मक व्यवहार , नियंत्रण व्यवहार , विद्यार्थियों के साथ व्यवहार एवं शैक्षणिक उपलब्धि में अधिक सहमति जताई है।

5.9 शोध के परिणाम

शिक्षकों के दृष्टिकोण के अनुसार –शासकीय विद्यालय की तुलना निजी विद्यालय के प्राचार्यों का नेतृत्व व्यवहार अधिक अच्छा है।

5.10 सुझाव

- शासकीय विद्यालय के शिक्षकों के अनुसार उनके प्राचार्य का नेतृत्व व्यवहार बहुत अधिक अच्छा नहीं है शासकीय विद्यालय के प्राचार्य को नेतृत्व व्यवहार बढ़ाने की जरूरत है।
- शिक्षकों की आयु कम होने की वजह से उन्हें कार्य का अनुभव कम होता है जिसकी वजह से वह व्यवहार या शैली को समझने में सक्षम नहीं थे।

5.11 भावी शोध हेतु सुझाव

- उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों में भी नेतृत्व व्यवहार का अध्ययन किया जा सकता है।
- शहरी , ग्रामीण , आदिवासी विद्यालयों में प्राचार्यों के नेतृत्व व्यवहार का अध्ययन किया जा सकता है।
- शिक्षकों की कार्य संतुष्टि, अध्यापन की प्रभावशीलता विद्यालय , विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्राचार्य के नेतृत्व व्यवहार का अध्ययन किया जा सकता है।